1000222 - C1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

Class - X
कक्षा - X

HINDI
हिन्दी

(Course A)
(पाठ्यक्रम अ)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **16** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। इस अवधि के दौरान छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए । 5

क्या आप लोगों ने कभी शुद्ध हृदय से इस पर विचार किया है कि माता, मातृभूमि और मातृभाषा का आप पर कुछ ऋण भी है या नहीं? एक जननी आपको जन्म देती है, एक की गोद में खेल-कूदकर और खा-पीकर आप पुष्ट होते हैं और एक आपको, अपने भावों को प्रकट करने की शक्ति दे, आपके सांसारिक जीवन को सुखमय बनाती है। जिसका आप पर इतना उपकार है, उसके लिए कुछ करना क्या आपका परम कर्त्तव्य नहीं है? प्यारे भाइयो! उठो, आलस्य छोड़ो, कमर कसो और अपनी मातृभाषा की सेवा में तत्पर हो जाओ, अपने को मातृऋण से मुक्त करो। संसार में सपूत कहलाओ और मातृ सेवकों में अपनी कीर्ति छोड़ जाओ। परन्तु ध्यान रहे, यह व्रत साधारण नहीं है। इस व्रत का पालन करना तलवार की धार पर चलने के समान है।

(1) हमारे ऊपर किसका उपकार है? 1

(क) माता का। (ख) मातृभाषा का।

(ग) मातृभूमि का। (घ) मातृ सेवकों का।

(2) लेखक किसकी सेवा करने के लिए कह रहा है? 1

(क) मातृभाषा की (ख) माता और मातृभूमि की

(ग) माता, मातृभूमि और मातृभाषा की (घ) संसार की

(3) 'ऋण' का विपरीतार्थी है- 1

(क) सुऋण (ख) कुऋण

(ग) पूँजी (घ) उऋण

(4) 'तलवार की धार पर चलने' का अर्थ है- 1

(क) कठिन कार्य (ख) असंभव कार्य

(ग) सीधी पतली रेखा पर चलना (घ) मेहनत करना

(5) उपर्युक्त गद्यांश- 1

(क) आदेशात्मक है (ख) उपदेशात्मक है

(ग) प्रेरणाप्रद है (घ) इच्छासूचक है

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर विकल्प से छाँटकर लिखिए । 5

हमारा जीवन पाखंडमय बन गया है और हम इसके बिना नहीं रह सकते हैं। अपने सार्वजनिक जीवन अथवा निजी जीवन में कहीं भी देखें हम एक-दूसरे को छलने की कला का खुलकर उपयोग करते हैं, इसके बावजूद यह विश्वास करते हैं कि हम ऐसा कुछ भी नहीं कर रहे हैं। हम इस प्रकार की भाषा का प्रयोग करते हैं जिसकी उस अवसर पर कोई आवश्यकता नहीं होती। हम किसी भी बात को यह जानते हुए भी वह सही व सत्य नहीं है लेकिन उसके प्रति निष्ठा या विश्वास इस तरह प्रकट करते हैं जैसे हमारे लिए वही एकमात्र सत्य है। हम सब यह इसलिए सरलता से कर लेते हैं क्योंकि आज पाखंड व दिखावा हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है। आज हम में से अधिकांश लोगों की स्थिति 'मुँह में कुछ और मन में कुछ और' वाली बन गई है।

(1) हमने जीवन का अभिन्न अंग किसे बना लिया है? 1

(क) भाषा को। (ख) पाखंड और दिखावे को।

(ग) निष्ठा व विश्वास को। (घ) सरलता को।

(2) छलने की कला का हम किस प्रकार उपयोग करते हैं?

(क) खुलकर (ख) आवश्यकतानुसार

(ग) पूरी निष्ठा से (घ) सरलता से

(3) यह जानते हुए भी कि बात गलत है, हम उसके प्रति निष्ठा व विश्वास प्रकट करते हैं, क्योंकि? 1

(क) हम दिखावा करना चाहते हैं।

(ख) असत्य को सत्य में बदलना चाहते हैं।

(ग) दूसरों को छलना चाहते हैं।

(घ) पाखंड और दिखावा हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन गया है।

(4) 'मुँह में राम बगल में छुरी' – इस कहावत का अर्थ किस वाक्य से पता चलता है? 1

(क) हमारा जीवन पाखंडमय बन गया है और हम इसके बिना नहीं रह सकते हैं।

(ख) हम इस प्रकार की भाषा का प्रयोग करते हैं जिसकी उस अवसर पर कोई आवश्यकता नहीं होती।

(ग) मुँह में कुछ और मन में कुछ और।

(घ) छलने की कला का खुलकर उपयोग करते हैं।

(5) प्रस्तुत गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है– 1

(क) पाखंड आधुनिक जीवन का सत्य। (ख) दिखावा।

(ग) छलने की कला। (घ) पाखंड व दिखावा।

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छाँटकर लिखिए। 5

विषुवत–रेखा का वासी जो,
जीता है नित हाँफ–हाँफ कर,
रखता है अनुराग अलौकिक,
वह भी अपनी मातृभूमि पर।

ध्रुव–वासी जो हिम में, तम में,
जी लेता है काँप–काँप कर,
वह भी अपनी मातृभूमि पर,
कर देता है प्राण–निछावर।

तुम तो हे प्रिय बंधु ! स्वर्ग-सी,
सुखद, सकल विभवों की आकर,
धरा-शिरोमणि मातृभूमि में,
धन्य हुए हो जीवन पाकर।

तुम जिसका जल अन्न ग्रहण कर,
बड़े हुए लेकर जिसका रज,
तन रहते कैसे तज दोगे,
उसको, हे वीरों के वंशज ॥

(1) विषुवतीय प्रदेश में रहने वालों को क्या कष्ट होता है? 1

(क) दूर-दूर तक चलने के कारण वे हाँफने लगते हैं।
(ख) वहाँ बहुत सर्दी होती है।
(ग) अत्यधिक गर्मी सहन करनी पड़ती है।
(घ) मातृभूमि की रक्षा में कष्ट सहन करने पड़ते हैं।

(2) विषुवत-रेखा और ध्रुव प्रदेश के वासी अपनी मातृभूमि के प्रति कैसी भावनाएँ रखते हैं? 1

(क) प्राण न्योछावर करने को तैयार रहते हैं। (ख) छोड़कर जाना चाहते हैं।
(ग) वहाँ रहते हुए भय से काँपते हैं। (घ) प्रसन्नतापूर्वक रहते हैं।

(3) कवि ने वीरों के वंशज किन्हें कहा है? 1

(क) प्रिय बंधुओं को। (ख) विषुवत रेखा के वासियों को।
(ग) भारतीयों को। (घ) ध्रुववासियों को।

(4) प्रस्तुत कविता में कवि क्या संदेश दे रहा है? 1

(क) देश के प्रति प्राण भी न्योछावर करने को तैयार रहो।
(ख) देश को छोड़कर मत जाओ।
(ग) औरों की तरह कष्ट सहन करो।
(घ) धरा-शिरोमणि में जन्म लेने के कारण अहंकार करो।

(5) किस शब्द का अर्थ 'प्रेम' है? 1

(क) अलौकिक (ख) सुखद
(ग) आकर (घ) अनुराग

4. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प छाँटकर लिखिए। 5

लोहे के पेड़ हरे होंगे, तू गान प्रेम का गाता चल,
नम होगी यह मिट्टी जरूर, आँसू के कण बरसाता चल।
सिसकियों और चीत्कारों से, जितना भी हो आकाश भरा,
कंकालों का हो ढेर, खप्परों से चाहे हो पटी धरा।
आशा के स्वर का भार, पवन को लेकिन, लेना ही होगा,

जीवित सपनों के लिए मार्ग मुर्दों को देना ही होगा।
रंगों के सातों घट उँड़ेल, यह अँधियाली रँग जाएगी,
उषा को सत्य बनाने को जावक नभ पर छितराता चल।
आदर्शों से आदर्श भिड़े, प्रज्ञा-प्रज्ञा पर टूट रही,
प्रतिमा-प्रतिमा से लड़ती है, धरती की किस्मत फूट रही।
आवर्तों का है विषम जाल, निरुपाय बुद्धि चकराती है,
विज्ञान-यान पर चढ़ी हुई, सभ्यता डूबने जाती है।
जब-जब मस्तिष्क जयी होता, संसार ज्ञान से चलता है,
शीतलता की है राह हृदय, तू यह संवाद सुनाता चल।

(1) लोहे के पेड़ किसके प्रतीक हैं? 1

(क) नकली पेड़ (ख) मशीनें

(ग) मशीनी संस्कृति (घ) विज्ञान

(2) 'नम होगी यह मिट्टी जरूर' कहकर कवि किस ओर संकेत कर रहा है? 1

(क) प्रेम के बल पर शुष्क हृदयों में भाव भरे जा सकते हैं।

(ख) वर्षा न होने के कारण सूखी मिट्टी वर्षा आने पर नम जरूर हो जाएगी।

(ग) सूखी आँखें फिर आँसुओं से नम हो जाएँगी।

(घ) इतने आँसू बहाओ कि मिट्टी गीली हो जाए।

(3) दुःख और निराशा के वातावरण में मनुष्य का क्या कर्त्तव्य होना चाहिए? 1

(क) सपने देखे और साकार करे (ख) आशा का संचार करे

(ग) मिट्टी को नम करे (घ) विज्ञान यान पर सवार हो

(4) प्रेम की भावना से इस भौतिक-बौद्धिक संसार पर विजय पाई जा सकती है- यह भाव किस पंक्ति से व्यंजित हो रहा है? 1

(क) जीवित सपनों के लिए मार्ग मुर्दों को देना ही होगा।

(ख) आशा के स्वर का भार, पवन को लेकिन, लेना ही होगा।

(ग) जब-जब मस्तिष्क जयी होता, संसार ज्ञान से चलता है।

(घ) शीतलता की है राह हृदय, यह संवाद सुनाता चल।

(5) 'विज्ञान-यान' में कौन सा अलंकार है? 1

(क) अनुप्रास अलंकार (ख) उपमा अलंकार

(ग) रूपक अलंकार (घ) अन्योक्ति

खण्ड 'ख'

5. रेखांकित क्रिया पदों का भेद विकल्प से छाँटकर लिखिए ।

(क) सुरेश बच्चे को सुला रहा है। 1

(i) अकर्मक (ii) सकर्मक

(iii) संयुक्त (iv) सहायक

(ख) वह प्रतिदिन कई किलोमीटर दौड़ता है। 1

(i) अकर्मक क्रिया (ii) सकर्मक

(iii) सहायक (iv) संयुक्त

(ग) विक्रम उपन्यास पढ़ता है। 1

(i) सहायक (ii) संयुक्त

(iii) सकर्मक (iv) अकर्मक

(घ) सृष्टि समाचार पत्र पढ़ती है। 1

(i) अकर्मक (ii) सकर्मक

(iii) प्रेरणार्थक (iv) संयुक्त

6. निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया पद छाँटो ।

(क) मोर नाच रहा था। 1

(i) मोर (ii) नाच

(iii) नाच रहा था (iv) कोई नहीं

(ख) यहाँ क्यों आई हो। 1

(i) यहाँ (ii) क्यों

(iii) आई (iv) आई हो

(ग) वह अपनी बहन को नृत्य सिखवा रहा है। 1

(i) वह (ii) अपनी बहन

(iii) नृत्य (iv) सिखवा रहा है

(घ) मैंने उसे पत्र लिखा। 1

(i) मैंने (ii) पत्र

(iii) उसे (iv) लिखा

7. (क) मोहन रमेश से किताब पढ़वा रहा है । 1

उपर्युक्त वाक्य में रेखांकित क्रियाओं का भेद निम्नलिखित विकल्पों से सही विकल्प चुनकर लिखिए ।

(i) अकर्मक क्रिया (ii) सकर्मक क्रिया

(iii) प्रेरणार्थक क्रिया (iv) अपूर्ण क्रिया

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में से द्विकर्मक क्रिया प्रयुक्त होने वाले वाक्य के सही विकल्प को चुनकर लिखिए। 1

(i) तुमने बड़ा मधुर गीत सुनाया। (ii) मैंने उसे पत्र लिखा।

(iii) यहाँ क्यों आई हो? (iv) सुचित्रा सुबह से सो रही है।

(ग) पक्षी उड़ रहे हैं – रेखांकित क्रिया का भेद बताइए। 1

(i) अकर्मक क्रिया (ii) सकर्मक क्रिया

(iii) प्रेरणार्थक क्रिया (iv) अपूर्ण क्रिया

(घ) 'वह कभी–कभी मिल आया करता है।'– वाक्य में प्रयुक्त मुख्य क्रिया निम्नलिखित विकल्पों से चुनकर लिखिए। 1

(i) आना (ii) करना

(iii) हूँ (iv) मिलना

8. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त विशेषणों के भेद दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए।

(क) आधुनिक युग कम्प्यूटर का युग है। 1

(i) गुणवाचक (ii) परिमाणवाचक

(iii) संख्यावाचक (iv) सार्वनामिक

(ख) मैं ज्यादा मिठाई नहीं खा सकता। 1

(i) सार्वनामिक (ii) संख्यावाचक

(iii) अनिश्चित परिमाणवाचक (iv) निश्चित परिमाणवाचक

(ग) चारों लड़कियाँ इधर आओ। 1

(i) परिमाणवाचक (ii) गुणवाचक

(iii) सार्वनामिक (iv) निश्चित संख्यावाचक

(घ) यह कलम तुम्हारी है। 1

(i) सार्वनामिक (ii) गुणवाचक

(iii) परिमाणवाचक (iv) संख्यावाचक

9. निम्नलिखित वाक्य में क्रिया विशेषण छाँटिए–

(क) वह धीरे–धीरे खा रहा है। 1

(i) वह (ii) धीरे–धीरे

(iii) खा (iv) रहा है

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति क्रिया–विशेषण से कीजिए– 1

_____ मैं एक पुस्तक लिख रहा हूँ।

(i) तुम (ii) आज

(iii) धीरे (iv) तेज

(ग) चीखो मत, _____ बोलो। 1

(i) तेज (ii) धीरे

(iii) जल्दी (iv) कम

(घ) तुम सीधे चलो _____ मत देखो। 1

(i) सामने (ii) उधर

(iii) नीचे (iv) कहीं भी

खण्ड 'ग'

10. हालदार साहब की आदत पड़ गई, हर बार कस्बे से गुजरते समय चौराहे पर रूकना, पान खाना और मूर्ति को ध्यान से देखना। एक बार जब कौतूहल दुर्दमनीय हो उठा तो पानवाले से ही पूछ लिया, क्यों भई! क्या बात है? यह तुम्हारे नेताजी का चश्मा हर बार बदल कैसे जाता है?

पानवाले के खुद के मुँह में पान ठुँसा हुआ था। एक काला मोटा और खुशमिजाज आदमी था। हालदार साहब का प्रश्न सुनकर वह आँखों ही आँखों में हँसा। उसकी तोंद थिरकी। पीछे घूमकर उसने दुकान के नीचे पान थूका और अपनी लाल-काली बत्तीसी दिखाकर बोला, कैप्टन चश्मेवाला करता है।

क्या करता है? हालदार साहब कुछ समझ नहीं पाए। चश्मा चेंज कर देता है। पानवाले ने समझाया। क्या मतलब? क्यों चेंज कर देता है? हालदार साहब अब भी नहीं समझ पाए।

कोई गिराक आ गया समझो। उसको चौड़े चौखट चाहिए तो कैप्टन किदर से लाएगा? तो उसको मूर्तिवाला दे दिया। उदर दूसरा बिठा दिया।

उपरोक्त गद्यांश के आधार पर सही विकल्पों का चयन कीजिए ।

(1) उपर्युक्त गद्यांश के लेखक का नाम बताओ- 1

(क) स्वयं प्रकाश (ख) रामवृक्ष बेनीपुरी

(ग) यशपाल (घ) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

(2) हालदार साहब को क्या आदत पड़ गई थी? 1

(क) घूमने-फिरने की।

(ख) हर बार कस्बे से गुजरते समय चौराहे पर रूक कर पान खाना और मूर्ति को ध्यान से देखना।

(ग) मित्रों से हँसी-ठिठोली करना व गप्पें मारना।

(घ) दूसरों के कामों में दखल देना।

(3) हालदार साहब ने किससे प्रश्न पूछा? 1

(क) नेताजी से । (ख) चश्मेवाले से ।

(ग) पानवाले से । (घ) लेखक से ।

(4) हालदार की समझ में क्या बात नहीं आई ? 1

(क) कि कैप्टन नेताजी का चश्मा बार-बार क्यों बदल देता है ?

(ख) वह हर बार चौराहे पर रूककर पान क्यों खाता है ?

(ग) पानवाला इतना मोटा कैसा है।

(घ) उसके अन्दर कौतूहल इतना ज्यादा है।

(5) चश्मा बदलने का क्या कारण बताया गया? 1

(क) जिससे चश्मे की बिक्री बढ़ जाए।

(ख) कैप्टन अपनी दुकान की बिक्री बढ़ाना चाहता था।

(ग) चश्मेवाले को ऐसा करने में मजा आता था।

(घ) जब कोई ग्राहक नेताजी पर लगे जैसे चश्मे की माँग करता तब वह मूर्तिवाला चश्मा उसे दे देता है और उस पर नया चश्मा लगा देता है।

अथवा

बालगोबिन भगत की संगीत साधना का चरम-उत्कर्ष उस दिन देखा गया, जिस दिन उनका बेटा मरा। इकलौता बेटा था वह। कुछ सुस्त और बोदा-सा था। किन्तु इसी कारण बाल गोबिन भगत उसे और भी मानते। उनकी समझ में ऐसे आदमियों पर ही ज्यादा नजर रखनी चाहिए; क्योंकि ये निगरानी और मोहब्बत के ज्यादा हकदार होते हैं। बड़ी साध से उनकी शादी कराई थी। पतोहू बड़ी सुभग और सुशील मिली थी। घर की पूरी प्रबंधिका बनकर भगत को बहुत कुछ दुनियादारी से निवृत्त कर दिया था उसने। उनका बेटा बीमार है, इसकी खबर रखने की लोगों को फुरसत कहाँ! किन्तु मौत तो अपनी ओर सबका ध्यान खींचकर ही रहती है।

उपरोक्त गद्यांश के आधार पर सही विकल्पों का चयन कीजिए । 5

(1) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का नाम बताओ।

(क) नेताजी का चश्मा (ख) लखनवी अंदाज

(ग) बाल-गोबिन भगत (घ) संस्कृति

(2) बाल गोबिन भगत की संगीत-साधना का चरम-उत्कर्ष कब देखा गया? 1

(क) जिस दिन उनका इकलौता बेटा मरा।

(ख) जिस दिन उनके बेटे की शादी थी।

(ग) जब वह प्रभात-फेरी पर थे।

(घ) जब वह दुनियादारी व जिम्मेदारी से मुक्त हो गए थे।

(3) भगत का बेटा कैसा था? 1

(क) सुन्दर व स्वस्थ्य। (ख) आकर्षक व लंबा-चौड़ा।

(ग) सुस्त और बोदा-सा। (घ) चुस्त व फुर्तीला।

(4) भगत को कैसी पतोहू मिली थी? 1

(क) सुभग और सुशील। (ख) सुन्दर, सभ्य, दक्ष।

(ग) कुरूप व मोटी। (घ) सुस्त व नाटी-काली।

(5) मौत की क्या विशेषता होती है? 1

(क) जिंदगी के बाद मौत भी अवश्य आती है।

(ख) मौत एक काली छाया की तरह होती है।

(ग) मौत अपनी ओर सबका ध्यान खींचकर ही रहती है।

(घ) मौत के बाद नया जन्म अवश्य मिलता है।

11. निम्न प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए। **2x5=10**

(क) आशय स्पष्ट कीजिए।

"बार-बार सोचते, क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर-गृहस्थी-जवानी-जिंदगी सब कुछ छोड़ देने वालों पर हँसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूँढती है।"

(ख) भगत ने अपने बेटे की मृत्यु पर अपनी भावनाएँ किस तरह व्यक्त की?

(ग) लेखक को नवाब साहब के किन हाव-भावों से महसूस हुआ कि वे उनसे बातचीत करने के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं है?

(घ) भगत के व्यक्तित्व और उनकी वेशभूषा का अपने शब्दों में चित्र प्रस्तुत करें।

(ङ) नवाब साहब ने बहुत ही यत्न से खीरा काटा, नमक-मिर्च, बुरका, अंततः सूँघकर ही खिड़की से बाहर फेंक दिया। उन्होंने ऐसा क्यों किया होगा? उनका ऐसा करना उनके कैसे स्वभाव को इंगित करता है?

12. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5

हरि हैं राजनीति पढ़ि आए।
समुझी बात कहत मधुर के, समाचार सब पाए।
इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरू ग्रंथ पढ़ाए।
बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग-संदेश पठाए।
ऊधौ भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए।
अब अपनै मन फेर पाइ हैं, चलत जु हुते चुराए।
ते क्यौं अनीति करैं आपुन, जे और अनीति छुड़ाए।
राज धरम तौ यहै 'सूर', जो प्रजा न जाहिं सताए।

(i) कवि और कविता का नाम लिखिए। 1

(ii) गोपियों को यह क्यों लगता है कि कृष्ण राजनीति पढ़ आए हैं ? 1

(iii) 'अब गुरू ग्रंथ पढ़ाए' से क्या आशय है? 1

(iv) गोपियाँ अपना मन वापस क्यों चाहती है? 1

(v) गोपियाँ उद्धव के माध्यम से कृष्ण को किस राजधर्म की याद दिला रही है? 1

अथवा

उसकी स्मृति पाथेय बनी है थके पथिक की पंथा की।
सीवन को उधेड़कर देखोगे क्यों मेरी कंथा का?
छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ?
क्या यह अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ?
सुनकर क्या तुम भला करोगे मेरो भोली आत्म-कथा?
अभी समय भी नहीं, थकी सोई है मेरी मौन-व्यथा।

(i) 'सीवन' को उधेड़ना क्या है? 1

(ii) कंथा से क्या तात्पर्य है? 1

(iii) 'थकी सोई है मेरी मौन व्यथा' से क्या आशय है? 1

(iv) उपर्युक्त पद्यांश में प्रयुक्त अलंकारों के नाम लिखिए। 1

(v) इस काव्यांश में किस भाषा का प्रयोग हुआ है? 1

13. निम्न प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए । 5

(i) 'उत्साह' कविता में बादल किन-किन अर्थों की ओर संकेत करता है?

(ii) कवि की आँख फागुन की सुंदरता से क्यों नहीं हट रही है?

14. 'माता का आँचल' शीर्षक की उपयुक्तता बताते हुए कोई अन्य शीर्षक सुझाइए। 5

अथवा

'और देखते ही नई दिल्ली का काया पटल होने लगा'- नई दिल्ली के काया पलट के लिए क्या-क्या प्रयत्न किए गए होंगे?

खण्ड 'घ'

15. विदेश में रहने वाले अपने मित्र को होली पर्व की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए पत्र लिखिए - 5

अथवा

खाद्य-पदार्थों में मिलावट की गंभीर समस्या के प्रति स्वास्थ्य विभाग के निदेशक को पत्र लिखिए।

16. नीचे दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निबन्ध लिखे । 5

चरित्र नहीं तो कुछ नहीं । सच्चरित्रता ।

सच्चाई - ईमानदारी - बड़ों का सम्मान भूलकर नए-नए फैशन के पीछे भाग रहे हो - सुना नहीं तुमने कि चरित्र नहीं तो कुछ नहीं ।

अथवा

टेलीविजन चैनलों की भरमार ।

टेलीविजन चैनलों की भरमार है - दर्शक बढ़ रहे हैं - दर्शकों पर टी.वी. का प्रभाव - कितना उपयोगी - कितना हानिकारक ।

- o O o -